

२०/११/१८ पमावली राज स्व लो ३ अदामा शिवि
 पुंवाला (क) मे पेशा हुइ / उअप्रपक्ष उपर
 उधीगण के अरे संक्षे हरले न उपरिपित
 होरु उअरिना पत्र मे अंकित तथ्य पहाते
 हुइ निवेदन किता कि गाम लखीया दो अरु
 नं ७७०/३४६ रकवा ३०० बीघा अमी (७) धीगि
 वे पित व पति मज्जा दो आंरि लहुइ
 एक मूमि माण्ड ७४५/३४६ रकवा ५००
 बीघा इतिग पटि पमी दिर न मे स्थिर मेउ
 वे लगी हुइ अंकित धेना बताया
 परन्तु इस्थित परिवारी द्वारा जो नरेश
 मे तरमी मी गइ हुइ इसमे उपरोक्त ३००
 बीघा मूमि दो एक ही जगह संयुक्त
 रूप से तरमी न हो कर टुकड़ा मे
 तरमी कर दी गइ जिससे पह आमास
 होता है कि वास्तुत आंरि लहुइ
 का एक ही कामेक (चक्र) नही टके
 अलग-अलग जगह पूछां मे वनिप
 होने की भांति होती है अतः नरेश
 से जो गेप टरे मी गमा हुइ उसका एव
 ही एक बनाया जा कर मीका सिपिसि मउसा
 तरमी सही करने बावत निवेदन कि म
 गुमा है इस के विपरीत राज्य पक्ष की
 अरे से रकवत उलूत कते हुइ निवेदन
 किता कि उधी द्वारा (७) पक्ष बीत हुइ
 मे सिपिसि न मूम एवं रकसरा न तरे
 पेशा नही क्रिये जाने से अर्थत अरु
 संबंधी कोई भी उमाण पेश नही करन
 से उधीना पत्र मे अंकित तथ्य की पुष्टि
 नही होती है

उपखंड अधिकारी
पदेन सहायक हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
उपखंड (विशेष)

पु. ४६०५११४
७.५७

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
में जारी हुए

नामापामप कारा उपखंड अधिकारी
के आचारपत्र एवं दोनों को विहा
सुनने के पर-चात-रूपी प्रकार
में उपखंड ७.५७, राजपत्र
रा कथन आदि को अवलोकन करने
के पर-चात इस नामापामप का स्थिति
की समीक्षा है कि उपखंडी अपने कथन
में से सिद्ध करने में मूल आंशिक सिद्ध
नशाहरेस प्रसूत विहा जाना चाहिये
आदि उपखंडी प्रथम से ही दस्तावेज
के साथ नामापामप में आंशिक
पेश करने हेतु स्तम्भ है कि उप
उपकरण में उपर का उमाने के
अभाव में उपखंडी को कोई
अनुत्तर देना जाना संभव नहीं
होने से उपखंडी कारा प्रसूत
उपखंड विरुद्ध विपरीत रवारी
विपरीत के आदेश उपखंडी विपरीत
जाते हैं कि पमा बलौर राजि
से कम की जाकर फलाम सुमा
हों। तथा दारिपल दफ्तर में
निर्णय सुनाया जाय।

उपखंड अधिकारी पदेन
सहायक कलक्टर करेदा